भारत सरकार
वित्त मंत्रालय
वित्तीय सेवाएं विभाग
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 2301
जिसका उत्तर सोमवार, 4 अगस्त, 2025/13 श्रावण, 1947 (शक) को दिया गया

महाराष्ट्र में खोले गए केसीसी खाते

2301. श्रीमती सुप्रिया सुले:
श्री संजय दिना पाटील:
डॉ. अमोल रामसिंग कोल्हे:
श्री धैर्यशील राजसिंह मोहिते पाटील:
डॉ. नामदेव किरसान:
प्रो. वर्षा एकनाथ गायकवाड़

क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) किसान क्रेडिट कार्ड की विशेषताएं क्या हैं और महाराष्ट्र में कृषि आकार श्रेणियों के विभाजन अनुसार खोले गए किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) खातों की जिलेवार संख्या कितनी है, और पिछले तीन वर्षों के दौरान महाराष्ट्र में इस योजना के अंतर्गत आवंटित, स्वीकृत और उपयोग की गई धनराशि का ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या महाराष्ट्र में केसीसी नामांकन को बढ़ावा देने के लिए महिला किसानों, आदिवासी समुदायों के लिए कोई विशेष अभियान चलाया गया है और अब तक क्या उपलब्धियां हासिल हुई हैं;

(ग) क्या सरकार के पास महाराष्ट्र में केसीसी धारकों को प्राप्त किसी भी राज्य-स्तरीय टॉप-अप या अतिरिक्त प्रोत्साहन सहित ब्याज अनुदान योजनाओं का कोई डेटा है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या सरकार राष्ट्रीय औसत के साथ-साथ महाराष्ट्र में कार्यरत विभिन्न बैंक समूहों के केसीसी पोर्टफोलियो के तहत एनपीए अनुपात की निगरानी करती है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ड.) क्या सरकार ने महाराष्ट्र में भावी और मौजूदा केसीसी धारकों के बीच वित्तीय साक्षरता बढ़ाने के लिए पहल की है;

(च) यदि हां, तो महाराष्ट्र में विवेकपूर्ण ऋण उपयोग, बजट और पुनर्भुगतान संबंधी कार्यशालाओं, प्रशिक्षण सत्रों या डिजिटल/क्षेत्र-आधारित कार्यक्रमों सहित कृषि उत्पादकता एवं आय स्तर पर केसीसी के प्रभाव का आकलन करने के लिए किए गए अध्ययन का ब्यौरा क्या है; और

(छ) क्या सरकार का संपार्श्विक प्रदान करने में असमर्थ गरीब मछुआरों को केसीसी प्रदान करने का प्रस्ताव है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री पंकज चौधरी)

(क): किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) योजना किसानों को कृषि और संबद्ध क्रियाकलापों के लिए समय पर तथा किफायती ऋण उपलब्ध कराती है। यह खेती और कटाई के बाद के खर्च के लिए फसल ऋण, पशुपालन और मत्स्य पालन के लिए कार्यशील पूंजी तथा कृषि और इससे संबद्ध क्रियाकलापों के लिए सावधि ऋण प्रदान करती है।

महाराष्ट्र में खोले गए जिला-वार, फार्म के आकार-वार केसीसी खातों के आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं। चूंकि केसीसी एक मांग चालित योजना है, अत: किसानों को कृषि और इससे संबद्ध क्रियाकलापों के लिए ऋण सुविधाएं उनकी जरूरतों और वित्तमान के अनुरूप प्रदान की जाती हैं। जैसा कि महाराष्ट्र की राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति (एसएलबीसी) द्वारा सूचित किया गया है, पिछले तीन वर्ष के दौरान केसीसी खातों की संख्या और संवितरित राशि का जिला-वार ब्यौरा **अनुबंध-I** में दिया गया है।

(ख): अधिक से अधिक किसानों को केसीसी ऋण का लाभ प्रदान करने के उद्देश्य से आत्म निर्भर भारत अभियान के अंतर्गत एक विशेषीकृत केसीसी सम्पूर्ण अभियान का शुभारंभ फरवरी 2020 में किया गया था ताकि 2 लाख करोड़ रुपए के ऋण संवर्धन के साथ केसीसी के अंतर्गत 2.5 करोड़ किसानों को कवर किया जा सके। 25 जुलाई, 2025 की स्थिति के अनुसार, महाराष्ट्र में केसीसी सम्पूर्ण अभियान के अंतर्गत 81 लाख केसीसी खाते खोले/नवीकृत किए गए थे। इसके अतिरिक्त, पशुपालन, डेयरी और मत्स्य पालन (एएचडीएफ) संबंधी क्रियाकलापों में लगे हुए सभी पात्र किसानों तक किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) के लाभ पहुंचाने के लिए सरकार ने दिनांक 15.11.2021 से 31.1.2025 तक एक राष्ट्रव्यापी जिला स्तरीय साप्ताहिक शिविर का आयोजन किया जिसके परिणामस्वरूप महाराष्ट्र में 75,135 एएचडीएफ केसीसी खाते खोले गए। इसके अतिरिक्त, केसीसी नामांकन को बढ़ावा देने के लिए विकसित भारत संकल्प यात्रा (वीबीएसवाई) और विशेष रूप से असुरक्षित आदिवासी समूह [पर्टिकुलरली वलनेरेबल ट्राईबल ग्रुप (पीवीटीजी)] शिविर आयोजित किए गए थे।

(ग): संशोधित ब्याज सहायता योजना (एमआईएसएस) के अंतर्गत भारत सरकार बैंकों को किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) के माध्यम से 7% प्रति वर्ष की रियायती दर पर 3 लाख रुपए (संबद्ध क्रियाकलापों के मामले में 2 लाख रुपए तक) तक की अल्पावधि कार्यशील पूंजी ऋण प्रदान करने के लिए 1.5% की ब्याज सहायता (आईएस) प्रदान करती है। इसके अलावा, किसानों को समय पर पुनर्भुगतान करने पर 3% का त्वरित पुनर्भुगतान प्रोत्साहन (पीआरआई) प्रदान किया जाता है जिससे किसानों के लिए ब्याज की दर घटकर 4% हो जाती है।। इसके अतिरिक्त, महाराष्ट्र सरकार द्वारा अतिरिक्त ब्याज सहायता/पीआरआई भी प्रदान की जाती है। संघ सरकार द्वारा प्रदत्त संशोधित ब्याज सहायता योजना (एमआईएसएस) के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2024-25 में महाराष्ट्र सहित देश भर में 17,811.72 करोड़ रुपए की राशि संवितरित की गई थी जिससे पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष की तुलना में 24.9% की वृद्धि हुई। महाराष्ट्र सरकार द्वारा दी गई अतिरिक्त ब्याज सहायता का ब्यौरा **अनुबंध-II** में दिया गया है।

(घ): देश में और महाराष्ट्र राज्य में केसीसी खाते में एनपीए से संबंधित आंकड़े **अनुबंध-III** में दिए गए हैं।

(ड.) और (च): किसानों में वित्तीय साक्षरता को बढ़ाने के लिए आरबीआई, नाबार्ड और बैंक कई वित्तीय साक्षरता कार्यक्रम आयोजित करते हैं, जैसे:-

- किसानों सहित विविध समूहों को लक्षित करते हुए बैंकों द्वारा वित्तीय और डिजिटल साक्षरत शिविर (एफडीएलसी) का आयोजन किया गया है। महाराष्ट्र में शिविरों का जिला-वार ब्यौरा **अनुबंध-IV** में दिया गया है।
- आरबीआई का वित्तीय साक्षरता केन्द्र (सीएफएल) परियोजना निरन्तर आधार पर वित्तीय साक्षरता कार्यक्रम आयोजित करता है। महाराष्ट्र में स्वीकृत सीएफएल का जिला-वार ब्यौरा **अनुबंध-V** में दिया गया है।
- वित्तीय साक्षरता के विभिन्न विषयों के संबंध में वित्तीय शिक्षा संदेशों का प्रचार-प्रसार करने के लिए आरबीआई वर्ष 2016 से प्रत्येक वर्ष वित्तीय साक्षरता सप्ताह (एफएलडब्ल्यू) आयोजित करता रहा है।

(छ): भारतीय रिजर्व बैंक ने संबद्ध क्रियाकलापों के लिए ऋण सहित संपार्श्विक मुक्त कृषि ऋण की सीमा 1 जनवरी, 2025 से 1.6 लाख रुपए प्रति उधारकर्ता से बढ़ाकर 2 लाख रुपए कर दिया है। यह कदम विशेष रूप से मछुआरे सहित लघु और सीमांत किसानों के लिए ऋण सुलभता को बेहतर बनाती है।

*****

अनुबंध-I

"महाराष्ट्र में खोले गए केसीसी खाते" पर दिनांक 04.08.2025 को उत्तर के लिए नियत लोकसभा अतारांकित प्रश्न संख्या 2301 के भाग (क) के उत्तर में विनिर्दिष्ट ब्यौरा:

पिछले तीन वर्ष के दौरान महाराष्ट्र में जिला-वार खोले गए किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) खातों की संख्या और संवितरित की गई राशि:

(संख्या वास्तविक और राशि लाख में)

क्रम सं.	जिले का नाम	2022-23		2023-24		2024-25	
		केसीसी खातों की संख्या	राशि	केसीसी खातों की संख्या	राशि	केसीसी खातों की संख्या	राशि
1	अहमदनगर	5,80,753	6,31,265	4,89,709	5,57,931	5,14,735	5,84,844
2	अकोला	1,26,240	1,33,281	1,16,638	1,27,334	1,07,733	1,30,162
3	अमरावती	1,65,157	1,86,192	1,57,448	1,92,193	1,47,338	2,08,198
4	औरंगाबाद	2,81,652	2,12,665	2,68,173	2,09,425	2,35,707	2,15,331
5	बीड	2,53,625	2,10,822	2,27,602	1,95,680	1,89,337	1,83,450
6	भंडारा	1,01,840	67,854	1,01,696	64,832	1,00,547	70,386
7	बुलढाणा	1,96,897	2,00,733	1,58,569	1,69,010	1,16,254	1,43,945
8	चंद्रपुर	1,13,033	98,431	1,09,699	99,628	1,04,175	1,07,276
9	धुले	76,845	1,07,445	80,552	1,08,268	79,944	1,20,820
10	गढ़चिरोली	43,427	23,552	39,855	23,716	38,863	26,732
11	गोंदिया	72,761	42,686	63,719	41,599	60,989	45,179
12	हिंगोली	1,46,473	1,03,480	1,30,465	1,01,317	1,16,914	89,473
13	जलगांव	2,77,499	2,68,209	2,93,747	2,77,122	2,94,617	3,46,579
14	जलना	2,02,493	1,70,028	1,59,947	1,29,877	1,26,698	1,08,172
15	कोल्हापुर	2,80,499	3,50,410	2,48,633	3,06,084	3,55,176	3,86,857
16	लातूर	3,21,973	2,32,239	2,96,093	2,69,083	2,72,288	2,75,553
17	मुंबई शहर	762	1,917	1,011	2,547	453	1,526
18	मुंबई उपनगर	1,465	2,733	3,396	5,859	2,886	8,863
19	नागपुर	1,01,302	1,18,982	87,526	1,19,223	90,513	1,55,099
20	नांदेड़	2,63,045	2,24,072	2,38,899	2,22,113	1,96,522	2,06,101
21	नंदुरबार	57,416	79,005	45,681	81,328	40,292	71,454
22	नासिक	1,64,942	3,38,130	1,65,477	3,31,623	1,73,214	4,25,026
23	उस्मानाबाद	1,66,295	1,56,141	1,46,058	1,42,996	1,40,319	1,50,775
24	पालघर	21,844	21,166	21,214	19,275	23,712	33,205
25	परभनी	1,99,241	1,60,099	1,77,757	1,48,659	1,56,815	1,38,496
26	पुणे	4,21,564	5,07,967	4,07,735	5,26,122	4,29,219	6,53,781
27	रायगढ़	50,999	41,873	33,355	29,961	43,194	58,681
28	रत्नागिरि	86,420	64,064	68,904	61,063	54,682	83,842
29	सांगली	2,60,070	2,85,041	2,52,683	2,69,766	2,39,628	3,07,866
30	सतारा	3,99,851	3,06,225	3,74,418	3,02,807	3,64,171	3,52,203
31	सिंधुदुर्ग	45,185	41,552	44,240	41,422	52,465	64,964
32	सोलापुर	2,64,879	4,16,216	2,30,156	3,95,396	2,69,297	4,90,878
33	ठाणे	46,372	33,515	32,777	31,319	36,968	50,974
34	वर्धा	91,112	96,587	75,290	91,319	62,350	92,291
35	वाशिम	1,22,116	1,17,340	1,18,324	1,17,033	95,418	1,08,286
36	यवतमाल	2,14,959	2,24,995	1,91,093	2,06,573	1,66,523	2,08,584

स्रोत: एसएलबीसी, महाराष्ट्र

अनुबंध-II

"महाराष्ट्र में खोले गए केसीसी खाते" पर दिनांक 04.08.2025 को उत्तर के लिए नियत लोकसभा अतारांकित प्रश्न संख्या 2301 के भाग (ग) के उत्तर में विनिर्दिष्ट ब्यौरा:

महाराष्ट्र सरकार द्वारा दी गई अतिरिक्त ब्याज सहायता का ब्यौरा निम्नानुसार है:-

(करोड़ रुपए में)

योजना	2023-24	2024-25
ब्याज सहायता	347.00	666.60
त्वरित पुनर्भुगतान पर दी गई ब्याज सहायता	367.99	299.96

स्रोत: एसएलबीसी, महाराष्ट्र

अनुबंध-III

"महाराष्ट्र में खोले गए केसीसी खाते" पर दिनांक 04.08.2025 को उत्तर के लिए नियत लोकसभा अतारांकित प्रश्न संख्या 2301 के भाग (घ) के उत्तर में विनिर्दिष्ट ब्यौरा:

अखिल भारत स्तर पर और महाराष्ट्र में केसीसी खातों में एनपीए संबंधी आंकड़े निम्नानुसार हैं:-

बैंक समूह	अखिल भारत		महाराष्ट्र	
	31 मार्च 2024	31 मार्च 2025	31 मार्च 2024	31 मार्च 2025
एससीबी	13.97%	13.95%	20.76%	21.44%
आरआरबी	7.13%	उ.न.*	4.27%	उ.न.*
आरसीबी	6.55%	उ.न.*	19.56%	उ.न.*

एससीबी: अनुसूचित सहकारी बैंक; आरआरबी: क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक; आरसीबी: ग्रामीण सहकारी बैंक

**उ.न.: उपलब्ध नहीं*

आंकड़े स्रोत: आरबीआई और नाबार्ड

अनुबंध-IV

"महाराष्ट्र में खोले गए केसीसी खाते" पर दिनांक 04.08.2025 को उत्तर के लिए नियत लोकसभा अतारांकित प्रश्न संख्या 2301 के भाग (ङ) और (च) के उत्तर में विनिर्दिष्ट ब्यौरा:

विगत तीन वर्ष में आयोजित जिला-वार वित्तीय और डिजिटल साक्षरता शिविर

क्रम सं.	जिले का नाम	वित्तीय साक्षरता शिविर की संख्या
1	अहिल्यानगर	670
2	अकोला	377
3	अमरावती	153
4	छत्रपति संभाजीनगर	1,114
5	बीड	114
6	भंडारा	658
7	बुलढाणा	667
8	चंद्रपुर	1,811
9	धाराशिव	388
10	धुले	237
11	गढ़चिरोली	1,127
12	गोंदिया	898
13	हिंगोली	89
14	जलगांव	842
15	जलना	640
16	कोल्हापुर	661
17	लातूर	694
18	नागपुर	380
19	नांदेड़	543
20	नंदुरबार	752
21	नासिक	847
22	पालघर	203
23	परभनी	230
24	पुणे	1,114
25	रायगढ़	467
26	रत्नागिरि	408
27	सांगली	865
28	सतारा	1,540
29	सिंधुदुर्ग	550
30	सोलापुर	1118
31	ठाणे	337
32	वर्धा	208
33	वाशिम	587
34	यवतमाल	775

स्रोत: नाबार्ड

अनुबंध-V

"महाराष्ट्र में खोले गए केसीसी खाते" पर दिनांक 04.08.2025 को उत्तर के लिए नियत लोकसभा अतारांकित प्रश्न संख्या 2301 के भाग (ङ) और (च) के उत्तर में विनिर्दिष्ट ब्यौरा:

महाराष्ट्र में एफआईएफ के अंतर्गत स्वीकृत सीएफएल की जिला-वार संख्या

क्रम सं.	जिले का नाम	सीएफएल की संख्या
1	अहिल्यानगर	2
2	अकोला	2
3	अमरावती	3
4	बीड	2
5	भंडारा	1
6	बुलढाणा	2
7	चंद्रपुर	1
8	छत्रपति संभाजीनगर	3
9	धाराशिव	1
10	गढ़चिरोली	1
11	गोंदिया	2
12	जलगांव	3
13	कोल्हापुर	3
14	लातूर	1
15	नागपुर	5
16	नांदेड़	3
17	नासिक	4
18	पालघर	1
19	परभनी	1
20	पुणे	4
21	रायगढ़	2
22	सांगली	2
23	सतारा	3
24	सिंधुदुर्ग	1
25	सोलापुर	1
26	ठाणे	1
27	वर्धा	2
28	वाशिम	1
29	यवतमाल	2

स्रोत: नाबार्ड